JUNE THURSDAY 01
WK 22 • 152-213

C-10

* आंकलन एवं मूल्यांकन सतत (Assessment and Evaluation - Continuous)

⇒ आंकलन (Assessment) :-

Introduction of Assessment (आंकलन की अवधारणा / परिचय):
किसी के बारे में निर्णय देना / निर्धारण / सामान्यतः यह आंकलन कहा जाता है। शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में आंकलन शब्द भले ही नया हो लेकिन प्राचीन समय से ही किसी न किसी रूप में जीवन के हर क्षेत्र में 'आंकलन' होता रहा है।
आंकलन में छात्र के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं नैतिक इत्यादि सभी गुणों की परीक्षा सम्मिलित रहती है। एक प्रकार से आंकलन मूल्यांकन का छोटा रूप है जो प्रक्रिया की पूर्ति में पूर्वाभ्यास के रूप में अभिव्यक्त होता है।

(Meaning of Assessment) आंकलन का अर्थ :-
आंकलन शब्द अंग्रेजी के Assessment से बना है जिसका अर्थ होता है - निर्धारण, राय एवं सोचा-समझा अर्थात निर्धारण शब्द में मूल्यांकन एवं परामर्श शब्द का भी समावेश होता है। क्योंकि जब तक मूल्यांकन की प्रक्रिया संभव नहीं होगी तब तक निर्धारण या राय नहीं दी जा सकती है।
दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि आंकलन सूचनाओं को एकत्रित करने की प्रक्रिया है, जो विद्यार्थियों के संदर्भ में किसी विषय के बारे में निर्णय प्रदान करना (Assessment) कहलाता है। आंकलन की प्रक्रिया में प्रदत्त कार्य परीक्षण (Assignment performance Test) का प्रयोग किया जा सकता है।
आंकलन में छात्रों को बिना अंक या ग्रेड के फीडबैक दिया जाता है ताकि शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति में अंतिम मूल्यांकन के पूर्व सुधार संभव हो सके।

2017

Definition of Assessment (आंकलन का परिभाषा) :-

प्रो. एस. के. दुबे के शब्दों में :-

"समावेशी विद्यालयों में निर्धारण का आशय उन सभी नीतियों, सिद्धांतों एवं विधियों की समीक्षा से है जो कि विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की शैक्षिक एवं सामाजिक आवश्यकताओं के मांग एवं उनकी पूर्ति के लिये प्रयुक्त होती हैं तथा छात्रों को शिक्षा की मुख्य धारा एवं विकास के स्रोत से सम्बन्ध रखती हैं।"

माध्यमिक शिक्षा आयोग (Secondary Education Commission) के अनुसार :-

"आंकलन वह प्रमुख साधन है जिससे समाज को यह विश्वास होता है कि विद्यालय को दिया गया कार्य संतोषपूर्वक किया जा रहा है और वे बालक जो वहाँ अध्ययन कर रहे हैं, समुचित प्रकार की शिक्षा पा रहे हैं और आशाजनक स्तर को प्राप्त कर रहे हैं।"

ग्रीन (Green) के कथनानुसार :-

"शिक्षा में आंकलन एक नई धारणा है इसका प्रयोग छात्रों के विशेषताओं की जाँच विद्यालय कार्यक्रम, शैक्षिक सामग्री, पाठ्यक्रम तथा शिक्षक की जाँच के लिए किया जाता है।"

हुबा एवं फ्रीड के अनुसार :-

"आंकलन सूचना संग्रहण तथा उस पर विचार विमर्श की प्रक्रिया है, जिन्हें हम विभिन्न माध्यमों से प्राप्त कर यह समझ सकते हैं कि विद्यार्थी क्या जानता है, समझता है, अपने शैक्षिक अनुभवों से प्राप्त ज्ञान को परिणाम के रूप में व्यक्त कर सकता है जिसके द्वारा छात्र अधिगम में वृद्धि होती है।"

Scanned with CamScanner

विलियम तथा हन्ना के अनुसार (According to William & Hanna):-

"छात्रों के व्यवहार में विद्यालय द्वारा किये गए परिवर्तनों के विषय में प्रमाणों को एकत्रित करना एवं उनकी व्याख्या करना ही आकलन है।"

("Assessment is the process of gathering and interpreting evidance of changes in the behaviour to the students as they progress through school.")

ली के शब्दों में (According to Lee):-

"विद्यालय, कक्षा और स्वयं छात्र/छात्रा निर्धारित किये गये शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति में छात्र की प्रगति का जाँच ही आकलन है।"

("Evaluation is the appraisal of a pupil's progress in attaining goals set by the school, the class and himself.")

एरविन (1991) के अनुसार (According to Erwin):-

"आकलन छात्रों के व्यक्तिगत विकास के आधार का अनुमान है। यह किसी भी वस्तु को परिभाषित कर, चयन, रचना, संग्रह, विश्लेषण व्याख्या और सूचनाओं का उपयुक्त प्रयोग कर छात्र विकास तथा अधिगम को बढ़ाने की प्रक्रिया है।"

("Assessment is the systematic basis for making inferences about the learning and development of student. It is the process of defining, selecting, designing, collecting, analysing, interpreting and using information to increase students learning and development.")

Scanned with CamScanner

Characteristics of Assessment - आंकलन की विशेषताएं:-

(1) विश्वसनीयता (Reliability):-

किसी भी आंकलन का यह सबसे प्रथम एवं महत्वपूर्ण गुण है। आंकलन किसी भी समय या परिस्थिति में किया जाए किन्तु उसका परिणाम सदैव समान होना चाहिए, तभी वह विश्वसनीय कहलाएगा। विश्वसनीय सामग्री वही है जिसमें एक स्तर के विद्यार्थी पुनः-पुनः परीक्षा में लगभग एक समान उत्तर देते हैं। शिक्षक किसी भी योग्यता का हो आंकलन प्रायः एक ही समान होना चाहिए, अगर शिक्षक द्वारा एक ही आंकलन हेतु अलग-अलग अंक प्रदान किया जा रहा है तो ऐसा आंकलन विश्वसनीय नहीं कहलाता है।

(2) वैधता (Validity):-

वैध आंकलन वही होता है जो वास्तव में उन्हीं उद्देश्यों का आंकलन करे जिस उद्देश्य से उसका निर्माण किया गया हो।

(3) मानकीकरण (Standardisation):-

एक अच्छे आंकलन की यह भी एक विशेषता होती है कि वह मानकीकृत होना चाहिए। एक मानकीकृत आंकलन वही होता है जिसमें विद्यार्थियों को एक समय सीमा, समान प्रकार के प्रश्न, समान निर्देश दिए जाते हैं ताकि छात्र समान अंक अर्जित करें। मानकीकरण, प्राप्तांक में होनेवाली त्रुटियों को समाप्त कर देता है।

(4) व्यावहारिक (Practically):-

आंकलन लागत, समय और सरलता की दृष्टि से वास्तविक, व्यावहारिक एवं कुशल होना चाहिए। ऐसा भी हो सकता है कि आंकलन का कोई तरीका आदर्श हो किंतु उसे व्यवहार में न लाया जा सके। ऐसे तरीकों को भी नहीं अपनाना चाहिए।

Scanned with CamScanner

(5) उपयोगिता (Utility) :- आंकलन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी भी होना चाहिए। आंकलन से प्राप्त परिणामों की छात्रों को बता देना चाहिए, जिससे वे उन कमियों को सुधार सकें। आंकलन के द्वारा ही पता लग सकता है कि किस दिशा में सुधार करना है। इस प्रकार आंकलन से विद्यार्थियों एवं अध्यापकों की कमियों को जानने एवं उन्हें दूर करने में बहुत लाभकारी होता है।